एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–17 से 20

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

सत्रीय कार्य (जुलाई–2022 और जनवरी–2023) सत्रों के लिए

जुलाई–2022 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

जनवरी–2023 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

मॉड्यूल 'ख'– दलित साहित्य : विशेष अध्ययन
(एम.एच.डी.–17 से 20 तक)
सत्रीय कार्य : एम.एच.डी.–17
'भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य'
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी.–17/टी.एम. ए/2022– 2023

कुल अंकः 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x4=40

(क) ''शीलानाच्छीलमित्युक्तं शीलनं सेवनादपि।
सेवनं तन्निदेशाच्च निदेशश्च तदाश्रयात्।।''

(ख) ''इत्येषा व्युपशान्तये न रतये मोक्षार्थगर्भाकतिः,
श्रोवणां ग्रहणार्थमन्यमनसां काव्योपचाशत् कृता।
यन्मोक्षात्कृतमन्यदव हि मया तत्काव्यधर्मात् कृतम्,
पातुं तिक्तभिवौषधं मधुयुतं हृद्यं कथं स्यादिति।।''

(ग) प्रतयक्षं कल्पनापोढं
नामजात्यादि–असंयुतम।

(घ) अतएव कटकादिजन्यं दुःखमेव नरकः।
लोकसिद्धो राजा परमेश्वरः देहच्छेदो मोक्षः।
देहात्मवादे च 'स्थूलोऽहं, कृशोऽहं, कृणोऽहम'इत्यादि सामानाधिकरण्योपपत्तिः।
'मम शरीरम्' इति व्यवहारो राहोः शिरः इत्योदिवदौपचारिकः।।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः 10x4=40

(क) प्रमाणवाद को स्पष्ट करते हुए, प्रत्यक्ष प्रमाण के तत्वों को विस्तार से बताइये।
(ख) संवाद की लोकतांत्रिक परम्परा पर प्रकाश डालिए।
(ग) सिद्ध संप्रदाय के ऐतिहासिक परिवेश को समझाइये।
(घ) तेलगु की संत परंपरा को समझाते हुए, तेलगु के प्रमुख संत कवियों पर विचार कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिएः 5x4= 20

(क) बौद्ध धर्म के उदय एवं विकास को संक्षेप में बताइये।
(ख) आर्य नागार्जुन के दर्शन को समझाइये।
(ग) निर्गुण संत कवियों के सामाजिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।
(घ) महानुभाव पंथ का मूल्यांकन कीजिए।

एम.एच.डी.–18
(दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–18
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–18/टी.एम.ए./2022–2023
कुल अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 'दस' प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 10x10=100

1. 'दलित साहित्य चेतना का साहित्य है' की विवेचना कीजिए।

2. दलित साहित्य के प्रयोजनों एवं सरोकारों की विवेचना कीजिए।

3. वर्ण व्यवस्था को प्रेमचंद मार्क्सवादी वर्ग चेतना के आलोक में देखते हैं। कथन को स्पष्ट कीजिए।

4. 'नागार्जुन के रचना संसार में जमींदारी बीमार मानसिकता की द्योतक है' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं।

5. महात्मा फूले के अनुसार नारी उत्थान का मूलगामी आधार क्या है? नारी शिक्षा के लिए उनके प्रयासों की चर्चा कीजिए?

6. डॉ. अम्बेडकर के उन अवदानों पर विस्तारपूर्वक विचार कीजिए जिनसे दलित – मुक्ति आन्दोलनों को नयी दिशा मिली?

7. समाजिक गुलामी से आप क्या समझते हैं? यह राजनैतिक गुलामी से किस प्रकार अलग है?

8. पेरियार के धार्मिक विचारों पर टिप्पणी लिखिए?

9. 'सत्यशोधक समाज' द्वारा सनातनी ब्राह्मणवाद के मिथ्या आडंबर का विरोध करने के कौन से उपाय सुझाए गए।

10. दक्षिण भारत में श्री नारायण गुरू के चिंतन से निर्मित हुई स्त्री मुक्ति की चेतना को स्पष्ट कीजिए।

11. दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र के मुख्य तत्व क्या हैं?

12. 'दलित आलोचना के सरोकारों में श्रम के सौन्दर्यशास्त्र की प्रतिष्ठा है'– विवेचना कीजिए।

13. दलित साहित्य की भाषा और मुख्यधारा के साहित्य की भाषा में क्या अंतर है?

14. दलित साहित्य में आत्मकथा एक प्रमुख विधा है। अपने विचार लिखिए (500 शब्दों में)

सत्रीय कार्य
एम.एच.डी–19
हिंदी दलित साहित्य का विकास
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–19
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–16/टी.एम.ए./2022–2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्याशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x2=20

(क) घृणा तुम्हें मार सकती है
तोड़ सकती है
पर अपने दायरे में
जिंदा नहीं रख सकती
ताजा हवा देकर
और, नहीं सुना सकती
प्रेम कविता
मौसम के रंगीन पंखों पर बैठकार

(ख) घर–घर में सूनी आँखों से
एक–एक औरत
घर से बाहर गए
अपने–अपने आदमी के
लौटनें का इंतजार करती है
सच यही है
वे कतरा–कतरा होकर जीती हैं
और कतरा–कतरा होकर
मरती हैं

(ग) घबराओ नहीं
समय आ रहा है
जब हम भी बढ़ेंगे तुमसे
दौड़ने की शर्त
जीतेंगे बाजी
तोड़ेगें तुम्हारा दर्प
सुनों परिवर्तन की सुगबुगाहट
बदलती हवा का रूख
पहचानों पहचानों पहचानों

(घ) माँ बाप ने पैदा किया था
गूंगा!
परिवेश ने लंगड़ा बना दिया
चलती रही
निश्चित परिपाटी पर
बैसाखियों के सहारे
कितने पड़ाव आये!
आज जीवन के चढ़ाव पर
बैसाखियां चरमराती हैं

(ड.) मैं भागती हूँ–सब ओर एक साथ
विद्रोहिणी बन चीखती हूँ
गूंजती है आवाज सब दिशाओं में
मुझे अनन्त असीम दिगन्त चाहिए
छत का खुला आसमान नहीं
आसमान की खुली छत चाहिए
मुझे अनन्त आसमान चाहिए

2.निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में संप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10 x 2 = 20

(क) मंगतूराम ने कहा – ''साहेब, अब इस बस्ती में नहीं रहा जाता..... कहीं कोई सुनवाई नहीं, सरकारी दफ्तर में अरज़ी देते–देते गोड़ टूट गए आप तो दयावान हैं, कुछ पानी का इन्तज़ाम हो जाता तो बस्ती के लोग असीस देते।

(ख) ''अपने दुर्भाग्य पर सुबकती सुगिया बच्चे को छाती से चिपकाए कूड़ा फेंकने वाले ठेकेदार के पास भागी–भागी गई। पर हर ठेकेदार का रूप उसे एक जैसा लगा।''

(ग) कह तो ठीक रहे हो, मेरा ही दिमाग खराब था कि रामू की माँ के कहने पर खरीद ली। वरना गाय इस युग में किस काम की?..... फिर भी भैया, गाय है तो गऊ माता!

(घ) गंगा राम जवाब देता है, ''यह सिर्फ संयोग की बात है कि आपकी पोती की शादी है, और हम खाने से कहाँ इनकार करते हैं? शर्त यही है कि खाने के बाद हम अपना पत्तल नहीं उठायेंगे। नेउत कर ले जाते हैं तो सचमुच सम्मान दीजिए और यह सम्मान अगर आपने दिया तो सबने दिया– क्योंकि आप तो गाँव के सिरमौंर हैं।

3.निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी कीजिए : 10 x 4 = 40

(क) लटकी हुई शर्त कहानी की मूल संवेदना की विवेचना कीजिए।
(ख) 'वैतरणी' कहानी के कथानक का वर्णन कीजिए।
(ग) 'अंगारा' कहानी में व्यक्त दलित स्त्री की पीड़ा को व्यक्त कीजिए।
(घ) हिंदी दलित आत्मकथन की पृष्ठभूमि की विवेचना कीजिए।
(ड़) 'जूठन' आत्मकथन का मूल उद्देश्य क्या है?
(च) 'अपने अपने पिंजर' के संरचनागत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

4.निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए : **10 x 2 = 20**

(क) 'दलित पैंथर की भूमिका' में दलित साहित्य आंदोलन का चित्रण किस प्रकार से हुआ है।

(ख) 'सुमंगली' कहानी की प्रासंगिकता क्या है?

(ग) दलित आत्मकथाओं में निहित दलित चेतना का वर्णन कीजिए।

(घ) दलित आत्मकथाओं का मूल उद्देश्य क्या है?

(ड़) 'परिवर्तन की बात' कहानी कौन–कौन सी समस्याओं का वर्णन करती है।

सत्रीय कार्य
एम.एच.डी–20
भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य दलित साहित्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–20
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–20/टी.एम.ए./2022–2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्याशों लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x4=40

(क) दुःख भार से थरथराता वृक्ष देखा मैंने
बोधि वृक्ष के समान गहरी जड़ोवाला
बोधिवृक्ष पर तो फूल भी खिले
यह वृक्ष हर मौसम में झुलसा हुआ

(ख) बप्पा को ढूँढते मां का दिल
पनडुब्बी जैसा पानी पर तैर गया
गले तक पानी से भीगे कपड़ों से
और किसी किनारे प्रयाण करते
शायद मुआवजा देने के लिए
हम से राहत कार्यकर्ता ने पूछा
खेती बाड़ी है?

(ग) वह तो मेरा भाई है
या पराभव का दुश्मन?
उसके बच्चे तो सब हीरो बने फिरते
मेरे मैला ढोते, कचरा सुलटते
यह कैसा इंसाफ है माँ
यह तो सरासर बेइमानी है माँ

(घ) भले ही हम राख हो जाएं
शुद्र होने से अच्छा है
चलो प्रिये
मैं भी परेशान हूँ इस परकीय संस्कृति को
ओढ़ कर!

2.निम्नलिखित में से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : **10 x 4 = 40**

(i) मराठी दलित कविता की वैचारिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'खून का सवाल' कविता का अर्थ बताते हुए कविता में अभिव्यक्त दलित जीवन की त्रासदी के पहलुओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'घोड़ा' कविता की रुपक योजना का विवेचन कीजिए।

(iv) 'आज का एकलव्य' कविता के भाषा और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

(v) कवच कहानी का बाल चरित्र 'गौन्या' के मानसिक द्वंद्व पर टिप्पणी लिखिए।

(vi) 'बुद्ध ही मरा पड़ा है' कहानी के अशोक के चरित्र पर टिप्पणी लिखिए।

(vii) 'परती जमीन' कहानी का धार्मिक ताना–बाना पर टिप्पणी लिखिए।

(viii) 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(ix) 'मशालची' उपन्यास में दलित जीवन संदर्भों का परिचय दें।

(x) 'बिच्छु' कहानी की कथावस्तु और संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3.निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं चार पर लगभग 200 शब्दों में टिप्पणी कीजिए : **5 x 4 = 20**

(i) 'मोची की गंगा' कहानी की विषय वस्तु और संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(ii) गुजराती दलित कविता की पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।

(iii) 'मशालची' उपन्यास की रचनात्मक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iv) कन्नड़ दलित साहित्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

(v) 'हड्डा रोडी और रेहडी' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'उम्मीद अब भी बाकि है' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(vii) दलित जीवन के संघर्ष में सुभद्रा स्त्री पात्र की महत्वपूर्ण भूमिका का परिचय दीजिए।

(viii) 'रोटले को नजर लग गई' कहानी के चरित्र रघु की मनोदशा पर टिप्पणी लिखिए।